Regarding Need to launch residential housing schemes under PMAY for Jhuggi-Jhopri dwellers in Mumbai-laid

श्री रविंद्र दत्ताराम वायकर **(मुम्बई उत्तर-पश्चिम) :** मुंबई में झुग्गी-झोपड़ियों का तेजी से बढ़ता विस्तार शहरी नियोजन के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। यह न केवल शहर के आधारभूत ढाँचे पर दबाव डाल रहा है, बल्कि वहां रहने वाले गरीब और निम्न आय वर्ग के लोगों के जीवन स्तर को भी प्रभावित कर रहा है। झुग्गी क्षेत्रों में रहने वाले लाखों परिवारों को आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY 2.0) के तहत 10 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। यदि इस योजना के तहत मुंबई में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण आवासीय परियोजनाओं का निर्माण किया जाए, तो झुग्गी-झोपड़ियों की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इसके साथ ही, मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए भी affordable housing और गरीब परिवारों के लिए सस्ती किराए की आवासीय योजना भी शुरू की जानी चाहिए जिससे इन सभी वर्गों के लोगों को लाभ मिलेगा जो आवास खरीदने का खर्च नहीं उठा सकते |

Affordable और Rental Housing की योजना से झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या में कमी आएगी, क्योंकि यह लोगों को एक सुरक्षित और स्वच्छ आवास का विकल्प प्रदान करेगी। यह पहल न केवल गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने में मदद करेगी, बल्कि मुंबई के शहरी विकास और उसकी संरचना को भी संतुलित बनाएगी।